हुमा कुरैशी-भूमि की एंट्री से बदला 'लॉक अप' का खेल

रियलिटी शो, लॉक अप: सच या सजा ने अपने अंतिम वीक में प्रवेश कर लिया है. इस अवसर पर दो नए दिग्गजों की लॉक अप में एंट्री हुई है. हाई-स्टेक्स जजमेंट डे के लिए जनता की आवाज के रूप में लॉक अप में एंटर किया ह्यूमा कुरैशी और भूमि पेडनेकर ने, जिन्होंने इनमेट्स के गेमप्ले को स्कैनर के नीचे रखकर उनसे वो सवाल पूछे, जिनका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

फिनाले करीब आ रहा है और हर फैसले के नतीजे बड़े हो सकते हैं. ऐसे में ह्यूमा और भूमि ने बहुत ही महत्वपूर्ण मोड़ पर लॉक अप में प्रवेश किया है. बदलते समीकरणों और अनसुलझे विवादों से लेकर इनमेट्स के सफर और गेमप्ले तक, इन दोनों ने जजमेंट डे के लिए अपने-अपने नजरियों के साथ एंट्री की, जिससे अनेकों मुश्किल सवाल, बेबाक चर्चाएं और अप्रत्याक्षित मोड़ देखने को मिले.

ह्यूमा कुरैशी ने कहा, 'लॉक अप एक बेहतरीन शो है. यह इस समय सबसे ज्यादा वायरल हो रहा है. मैं इसे न केवल नेटफ्लिक्स पर, बल्कि रील्स में भी फौलो कर रही हूँ. मेरी इंस्टाग्राम एलगोरिद्म में लॉक अप ही दिखाई दे रहा है. फराह और रितेश इस फॉर्मेट के ओजी हैं और उन्होंने इसे नैक्स्ट लेवल में पहुँचा दिया है. इस समय यहाँ पर बेहतरीन कॉन्टेस्टेंट्स मौजूद हैं.'

भूमि पेडनेकर ने कहा, 'मैं लॉक अप को फौलो करती हूँ. नेटफ्लिक्स ने हब सबकी दिलचस्पी बनाकर रखी हुई है.

'नेबर ऑफ द बीस्ट' का अमेरिका के प्रतिष्ठित फिल्म महोत्सव में चयन

बाघ संरक्षण की सफल कहानी बन चुके मध्यप्रदेश के पन्ना टाइगर रिजर्व में आज स्थानीय समुदायों और बाघों के बीच सह-अस्तित्व का एक नया मॉडल बन गया है. सदियों पुरानी परंपराओं और आधुनिक संरक्षण प्रयासों के इस अनूठे संगम को दर्शाती डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'नेबर ऑफ द बीस्ट' का चयन अमेरिका के प्रतिष्ठित फ्लिकर्स रोड आइलैंड अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव2026 के लिए हुआ है.

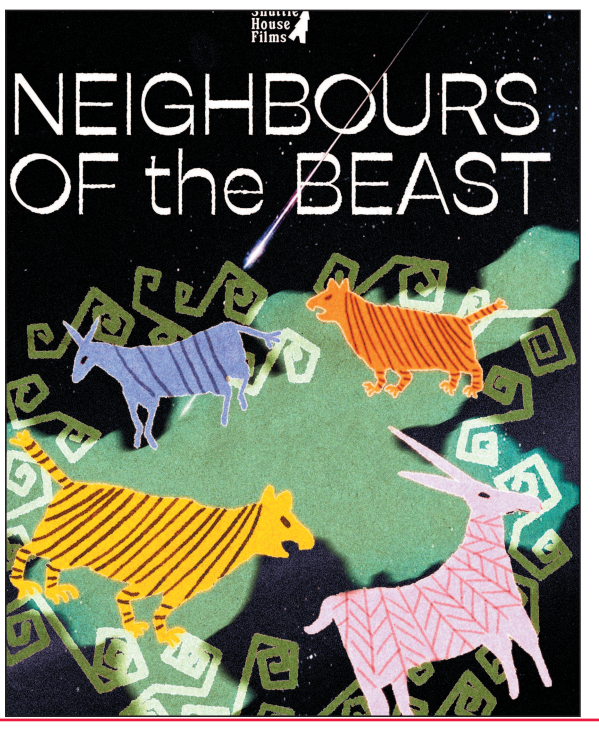

यह महोत्सव 4 से 9 अगस्त 2026 तक अमेरिका के प्रोविडेंस (रोड आइलैंड) में आयोजित होगा. विश्व के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में शामिल इस महोत्सव के 44वें संस्करण के लिए इस वर्ष 110 से अधिक देशों से प्राप्त 7,050 से अधिक फिल्मों में से 20 चुनिंदा फिल्मों का चयन किया गया है, जिनमें 'नेबर ऑफ द बीस्ट भी शामिल है.

फिल्म का केंद्र पन्ना टाइगर रिजर्व के मडला गांव और वहां के सफारी गाइड हैं. इनके अनुभवों के माध्यम से फिल्म पन्ना के समुदायों और बाघों के बीच सदियों पुराने सह-अस्तित्व की कहानी को सामने लाती है. डॉक्यूमेंट्री इस बदलते रिश्ते पर गोंड और पारधी समुदायों के दृष्टिकोण को भी प्रमुखता से प्रस्तुत करती है. यह दिखाती है कि बाघों की वापसी के बाद समुदायों और बाघों के बीच एक नया रिश्ता विकसित हुआ है, जहां पर्यटन और विकास के नए अवसरों के साथ दोनों एक-दूसरे के संरक्षण के सहभागी बन गए हैं. आज यह संबंध केवल सह-अस्तित्व तक सीमित नहीं, बल्कि ऐसी साझेदारी का रूप ले चुका है, जिसमें पन्ना के समुदाय और बाघ एक-दूसरे की सुरक्षा और समृद्धि के आधार बन गए हैं.

फिल्म के निर्देशक सार्थक वर्मा स्वतंत्र फिल्मकार हैं, जिनका कार्य भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत और आदिवासी समुदायों की अनकही कहानियों को दस्तावेज़ी रूप में सामने लाने पर केंद्रित है. जमीनी स्तर की कहानियों को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करने की प्रतिबद्धता के साथ वे देश के विभिन्न सांस्कृतिक परिदृश्यों की यात्रा करते हैं, जहां मुख्यधारा की नजरों से अक्सर ओझल रह जाने वाले समुदायों और उनकी पहचान को सामने लाने तथा उनके संरक्षण में योगदान देने का प्रयास करते हैं. 'नेबर ऑफ द बीस्टउनकी पहली डॉक्यूमेंट्री फिल्म है.

फिल्म के निर्माण में राघवेंद्र सिंह चौहान ने एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. फिल्म की तकनीकी टीम में धीमान कर्मकार (साउंड डायरेक्टर), मियांका सेखरी (एडिटर), करण सालुंखे (डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी), नैमिष जोशी (एसोसिएट डायरेक्टर ऑफ़ फ़ोटोग्राफ़ी) और समर्थ चावला (संगीतकार) शामिल हैं.

अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में चयन के साथ ' 'नेबर ऑफ द बीस्ट' वैश्विक दर्शकों के सामने पन्ना टाइगर रिजर्व की संरक्षण यात्रा, वहां की समृद्ध जैव विविधता और आदिवासी समुदायों के प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व को नए सिरे से प्रस्तुत करेगी. यह फिल्म मध्यप्रदेश की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर केंद्र में लाने का माध्यम बनेगी.

बर्खा सिंह ने मनाया अपना जन्मदिन

अभिनेत्री बर्खा सिंह ने अपना जन्मदिन किसी अवकाश या निजी जश्न के बजाय काम के प्रति अपने समर्पण के साथ मनाते हुए अमेज़न प्राइम वीडियो के आगामी रियलिटी शो 'वी गॉट यू गर्ल' के सेट पर बिताया. 'क्रिमिनल जस्टिस 4' और 'द सबरमती रिपोर्ट' में अपने अभिनय से पहचान बना चुकी बर्खा इन दिनों अमेज़न प्राइम वीडियो के बहुप्रतीक्षित रियलिटी शो 'वी गॉट यू गर्ल' की शूटिंग में व्यस्त हैं. इसी दौरान उन्होंने अपना जन्मदिन भी सेट पर मनाया. बताया गया है कि इस महीने रिलीज़ होने वाला यह शो बर्खा के करियर का एक अहम पड़ाव माना जा रहा है.

'चुंबक' पड़ोस और परिवार के रिश्तों की दिल छू लेने वाली कहानी

आतिश कपाड़िया और जेडी मजेठिया की बहुप्रतीक्षित मल्टी-जनरेशन कॉमेडी सीरीज़ 'चुंबक' अब नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है. परिवार, पड़ोस और रिश्तों की गर्माहट को हल्के-फुल्के अंदाज में पेश करने वाली यह सीरीज़ दर्शकों को पुराने मोहल्लों के अपनेपन और सामुदायिक जीवन की याद दिलाती है.

'चुंबक' की कहानी एक ऐसे शहरी भारतीय मोहल्ले पर आधारित है, जहां पांच परिवार एक-दूसरे के सुख-दुख में हमेशा साथ खड़े रहते हैं. यहां खुशियां मिलकर मनाई जाती हैं, परेशानियां पूरे मोहल्ले की बन जाती हैं और हर दिन हंसी-मजाक, नोकझोंक और नए किस्सों से भरा रहता है. सीरीज़ में पड़ोसियों के बीच आत्मीयता, अपनापन और पारिवारिक रिश्तों को मनोरंजक अंदाज में दिखाया गया है. सीरीज़ में नीना गुप्ता, देवन भोजानी, अर्जुन बिजलानी, हेली शाह, मानसी पारेख, सुमीत व्यास, संदीपा धर, सुमीत राघवन, अनंत वी. जोशी, अमायरा दस्तूर, डेलनाज़ ईरानी और अतुल कुमार जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं. 'चुंबक' के किरदार रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े हैं. कोई बिना मांगे सलाह देता है, कोई हर समस्या का समाधान खोजने में जुट जाता है, तो कोई अपनी गपशप से छोटी-सी बात को भी बड़ा मुद्दा बना देता है.

डिस्कवरी ने 'डिक्लासिफाइड: ऑपरेशन सिंदूर' की घोषणा की

इतिहास की दिशा बदल देने वाले हर निर्णायक क्षण के पीछे कई ऐसे फैसले होते हैं, जो अक्सर लोगों की नज़रों से ओझल रह जाते हैं. इन्हीं अनकहे पहलुओं को सामने लाने के लिए डिस्कवरी ने आज अपनी नई दो-भागों वाली डॉक्यूमेंट्री 'डीक्लासिफाइड: ऑपरेशन सिंदूर 'की घोषणा की. यह डॉक्यूमेंट्री देश के सबसे महत्वपूर्ण सैन्य अभियानों में से एक की दुर्लभ और पहली बार सामने लाई गई अंदरूनी झलक पेश करेगी. यह अभूतपूर्व डॉक्यूमेंट्री भारत के सैन्य नेतृत्व, जमीनी स्तर पर अभियान में शामिल अधिकारियों, रक्षा विशेषज्ञों और वरिष्ठ पत्रकारों को एक साथ लाती है, जो 88 घंटे तक चले संघर्षके दौरान पर्दे के पीछे हुई घटनाओं और रणनीतिक फैसलों की विस्तृत जानकारी साझा करते हैं.

आवारा कुत्तों को हटाने के खिलाफ शालिनी पांडे ने उठाई आवाज

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने मुंबई के रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को कथित तौर पर हटाए जाने के मुद्दे पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे पशु कल्याण से जुड़ा गंभीर विषय बताया है. शालिनी पांडे ने लोगों से संबंधित याचिका का समर्थन करने और इस पहल में अपनी आवाज जोड़ने की अपील की है.

शालिनी पांडे ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए अपने संदेश में कहा कि वर्षों से सैकड़ों आवारा कुत्ते रेलवे स्टेशनों के आसपास इंसानों के साथ शांतिपूर्वक रह रहे हैं, लेकिन अब उनके आश्रय पर संकट मंडरा रहा है. उन्होंने इसे जानवरों के प्रति क्रूरता करार देते हुए लोगों से उनके संरक्षण के लिए आगे आने का आग्रह किया.

शालिनी पांडे ने अपनी पोस्ट में एक पशु कल्याण पहल से जुड़े संगठन को टैग करते हुए लोगों को संबंधित याचिका तक पहुंचने का तरीका भी बताया.

है जवानी तो इश्क होना है' लेकर आया मनोरंजन का नया डोज

कुछ फिल्में हर छोटी-बड़ी बात पर सोचने को मजबूर करती हैं. और फिर कुछ ऐसी भी होती हैं जो बस आपको आराम से बैठकर, दिमाग पर ज़ोर दिए बिना भरपूर मनोरंजन का आनंद लेने के लिए कहती हैं. 'है जवानी तो इश्क होना है' ऐसी ही फिल्मों में शामिल है. डेविड धवन के निर्देशन में बनी और टिप्स फिल्म्स के बैनर तले रमेश तौरानी द्वारा निर्मित इस फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में हैं. यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है, जिसमें वरुण धवन, मृणाल ठाकुर, पूजा हेगड़े, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, चंकी पांडे, मौनी रॉय, अली असगर, राकेश बेदी, राजेश कुमार और अन्य कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नज़र आएंगे.

ऑटो मोबाइल

टोयोटा ने लॉन्च की नई हिलक्स फेसलिफ्ट

शुरुआती कीमत 31.99 लाख रुपये

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारतीय बाजार में 2026 हिलक्स फेसलिफ्ट को लॉन्च कर दिया है. इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 31.99 लाख रुपये रखी गई है. कंपनी ने इस बार अपनी लोकप्रिय लाइफस्टाइल पिकअप को नए डिजाइन, अधिक प्रीमियम इंटीरियर, आधुनिक तकनीक और उन्नत सुरक्षा सुविधाओं के साथ पेश किया है. सबसे बड़ा बदलाव यह है कि पहली बार इसमें दो-पहिया ड्राइव ऑटोमैटिक संस्करण भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे यह पहले की तुलना में अधिक ग्राहकों की पहुंच में आएगी. नई हिलक्स को तीन संस्करणों में उतारा गया है. जीएक्स दो-पहिया ड्राइव ऑटोमैटिक की कीमत 31.99 लाख रुपये, जीएक्स चार-पहिया ड्राइव ऑटोमैटिक की कीमत 33.69 लाख रुपये और वीएक्स चार-पहिया ड्राइव ऑटोमैटिक की कीमत 36.69 लाख रुपये है.

कंपनी ने इसकी बुकिंग शुरू कर दी है, जबकि ग्राहकों को डिलीवरी अगस्त के दूसरे सप्ताह से मिलनी शुरू होगी.

नई हिलक्स के बाहरी स्वरूप में कई बदलाव किए गए हैं. इसमें पहले से बड़ा फ्रंट ग्रिल, नए एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट, नया फ्रंट बंपर, डायमंड-कट अलॉय व्हील, नए एलईडी टेल लैंप और टेलगेट असिस्ट जैसी सुविधाएं दी गई हैं.

इसके अलावा इसे छह नए बाहरी रंगों में भी पेश किया गया है. केबिन को पहले की तुलना में अधिक आधुनिक और प्रीमियम बनाया गया है. इसमें 12.3 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 12.3 इंच की टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट प्रणाली दी गई है.

येज्दी एडवेंचर का नया अवतार लॉन्च

ट्यूबलेस क्रॉस-स्पोक व्हील्स के साथ कीमत 2.12 लाख रुपये

क्लासिक लीजेंड्स ने अपनी लोकप्रिय येज्दी बाइक रेंज को अपडेट करते हुए नया मॉडल बाजार में उतार दिया है. कंपनी ने खासतौर पर येज्दी एडवेंचर में बड़े बदलाव किए हैं. अब यह बाइक फैक्ट्री फिटेड ट्यूबलेस क्रॉस-स्पोक व्हील्स और नए ड्यूल-टोन 'येलो फाल्कन' रंग के साथ उपलब्ध होगी. अपडेटेड येज्दी एडवेंचर की एक्स-शोरूम कीमत 2.12 लाख रुपये से शुरू होकर ट्यूबलेस क्रॉस-स्पोक संस्करण के लिए 2.32 लाख रुपये तक जाती है. येज्दी एडवेंचर में दिया गया नया ट्यूबलेस क्रॉस-स्पोक व्हील सेटअप लंबी दूरी की यात्रा करने वाले ग्राहकों के लिए खास तौर पर उपयोगी होगा.

ट्यूबलेस टायर में पंचर होने की स्थिति में मरम्मत करना आसान होता है और इसके लिए टायर को रिम से पूरी तरह निकालने की जरूरत नहीं पड़ती. इससे बाइक की टूरिंग क्षमता और बेहतर हो जाती है.

भारत में लॉन्च हुई एएमजी ई53 हाइब्रिड

लग्जरी कार निर्मातामर्सिडीज-बेंज इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी नई उच्च प्रदर्शन वालीएएमजी ई 53 हाइब्रिड 4मैटिक+कार लॉन्च कर दी है. कंपनी ने इसे दो संस्करणों में पेश किया है.

परफॉर्मेंस एडिशनकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 1.45 करोड़ रुपयेऔररेसिंग एडिशन की कीमत 1.48 करोड़ रुपयेरखी गई है. यह कार शक्तिशाली पेट्रोल इंजन और आधुनिक इलेक्ट्रिक मोटर के संयोजन के साथ आती है, जिससे ग्राहकों को शानदार प्रदर्शन के साथ बेहतर ईंधन दक्षता भी मिलेगी. नई एएमजी ई 53 हाइब्रिड 4मैटिक+ में3.0 लीटर का छह सिलेंडर टर्बो पेट्रोल इंजनदिया गया है, जिसे एक शक्तिशाली इलेक्ट्रिक मोटर के साथ जोड़ा गया है. यह संयोजन कार को सामान्य स्थिति में585 बीएचपी की अधिकतम शक्तिप्रदान करता है. वहींरेस स्टार्ट मोडसक्रिय करने पर इसकी कुल शक्ति बढ़कर612 बीएचपीतक पहुंच जाती है.

कावासाकी निंजा 300 का नया मॉडल लॉन्च

जापानी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी कावासाकी ने भारतीय बाजार में अपनी लोकप्रिय स्पोर्ट्स बाइक निंजा 300 के नए 2027 मॉडल को लॉन्च कर दिया है. कंपनी ने इसकी एक्स-शोरूम कीमत 3.34 लाख रुपये रखी है. नया मॉडल पिछले संस्करण की तुलना में करीब 17 हजार रुपये महंगा है. बाइक की डिलीवरी जुलाई 2026 के अंतिम सप्ताह से देशभर की डीलरशिप पर शुरू हो गई है. कावासाकी निंजा 300 के नए मॉडल में कंपनी ने मैकेनिकल और डिजाइन के स्तर पर कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है. बाइक पहले की तरह ही अपने स्पोर्टी डिजाइन, आकर्षक लाइम ग्रीन रंग और दमदार प्रदर्शन के लिए जानी जाएगी. इसमें जेडएक्स-10आर से प्रेरित फ्लोटिंग विंडस्क्रीन और ड्यूल प्रोजेक्टर हेडलैंप जैसे फीचर्स पहले की तरह मौजूद हैं. नई निंजा 300 में 296 सीसी का लिक्विड कूल्ड पैरेलल ट्विन इंजन दिया गया है. यह इंजन करीब 38.4 से 38.9 बीएचपी की अधिकतम शक्ति पैदा करता है, जो 11,000 आरपीएम पर उपलब्ध होती है. वहीं इसका अधिकतम टॉर्क 26.1 न्यूटन मीटर है, जो 10,000 आरपीएम पर मिलता है. इंजन के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है, जिसमें असिस्ट और स्लिपर क्लच की सुविधा शामिल है.

यंग इंडिया

भोपाल में चैट सपोर्ट एग्जीक्यूटिव की भर्ती

राजधानी भोपाल में निजी क्षेत्र में रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है. मैग्नम ग्रुप ने चैट सपोर्ट एग्जीक्यूटिव पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं. कंपनी ने इन पदों के लिए फ्रेशर्स और अनुभवी दोनों प्रकार के उम्मीदवारों को आवेदन का अवसर दिया है.

चयनित अभ्यर्थियों को 12 हजार से 16 हजार रुपये प्रतिमाह तक वेतन दिया जाएगा. इसके अलावा प्रोत्साहन राशि, भविष्य निधि (पीएफ), रात्रि पाली भत्ता तथा समय-समय पर वेतन वृद्धि जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी.कंपनी के अनुसार यह पूर्णकालिक (फुल-टाइम) नौकरी है और कार्यस्थल भोपाल स्थित चिनार इन्क्यूब बिजनेस सेंटर, होशंगाबाद रोड रहेगा. चयनित अभ्यर्थियों को कार्यालय से ही कार्य करना होगा. इस पद के लिए किसी भी विषय में स्नातक उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं. फ्रेशर्स का भी स्वागत किया गया है. हालांकि उम्मीदवार के पास बेहतर लिखित संवाद क्षमता, कंप्यूटर का सामान्य ज्ञान तथा ग्राहकों की समस्याओं को समझकर उनका समाधान करने की क्षमता होना आवश्यक है.

बीपीओ सेक्टर में युवाओं को रोजगार

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में कस्टमर सपोर्ट और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) क्षेत्र तेजी से रोजगार का बड़ा माध्यम बनता जा रहा है. शहर की कई निजी कंपनियां और सेवा प्रदाता संस्थान ग्राहक सेवा प्रतिनिधि, वॉयस प्रोसेस एग्जीक्यूटिव और चैट प्रोसेस एग्जीक्यूटिव जैसे पदों पर लगातार भर्ती कर रहे हैं. टेक्नोटास्क, अव्यान मैनेजमेंट सहित कई कंपनियां योग्य युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही हैं. खास बात यह है कि इन पदों पर आवेदन के लिए अच्छे संवाद कौशल, बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान और ग्राहकों की समस्याओं का समाधान करने की क्षमता को सबसे अधिक महत्व दिया जा रहा है.कस्टमर सपोर्ट क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों की मुख्य जिम्मेदारी ग्राहकों की समस्याओं का समाधान करना और उन्हें बेहतर सेवा उपलब्ध कराना होती है.

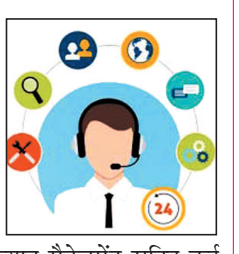

सॉफ्टवेयर डेवलपर और डाटा प्रोसेसिंग पदों पर बढ़ीं भर्तियां

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में रोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं. स्थानीय और दूरस्थ कार्य (रिमोट/हाइब्रिड) की सुविधा देने वाली कंपनियां जूनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर, डाटा प्रोसेसिंग और डाटाबेस प्रबंधन से जुड़े पदों पर भर्ती कर रही हैं. विभिन्न रोजगार मंचों पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इन पदों पर कार्यरत उम्मीदवारों को *25 हजार से 40 हजार रुपये तक का मासिक वेतन मिल रहा है. हालांकि वास्तविक वेतन कंपनी, तकनीकी दक्षता, अनुभव और प्रशिक्षण के आधार पर अलग-अलग हो सकता है.

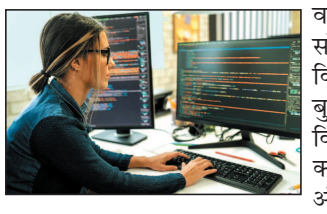

जूनियर या प्रशिक्षु सॉफ्टवेयर डेवलपर के पदों पर शुरुआती वेतन सामान्यत: 10 हजार से 35 हजार रुपये प्रतिमाह तक है. जिन अभ्यर्थियों को डॉट नेट, जावा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) या मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों का ज्ञान है, उन्हें बेहतर वेतन मिलने की संभावना रहती है. वहीं डाटा प्रोसेसिंग, डाटाबेस सहायक और तकनीकी सहायता से जुड़े पदों पर 15 हजार से 30 हजार रुपये प्रतिमाह तक का वेतन दिया जा रहा है. इन पदों पर डाटा प्रबंधन, अभिलेखों का रखरखाव और तकनीकी सहायता जैसे कार्य शामिल होते हैं. आईटी क्षेत्र में प्रशिक्षण या इंटर्नशिप करने वाले अभ्यर्थियों के लिए शुरुआती मानदेय अपेक्षाकृत कम रहता है. अधिकांश कंपनियां प्रशिक्षु पदों पर 3 हजार से 10 हजार रुपये प्रतिमाह तक भुगतान करती हैं. प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद प्रदर्शन के आधार पर नियमित नियुक्ति और बेहतर वेतन मिलने की संभावना रहती है.

वर्तमान समय में सॉफ्टवेयर विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डाटा विश्लेषण, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में कुशल युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है.

ऐसे में तकनीकी कौशल, परियोजना अनुभव और इंटर्नशिप करने वाले उम्मीदवारों को रोजगार के बेहतर अवसर मिल रहे हैं. भोपाल में आईटी क्षेत्र का विस्तार होने के साथ स्थानीय कंपनियों के अलावा कई राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी दूरस्थ और हाइब्रिड कार्य प्रणाली के माध्यम से भर्ती कर रही हैं. इससे तकनीकी क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं.

एशियन पेंट्स में डेकोर सेल्स एग्जीक्यूटिव

नई दिल्ली बिक्री और विपणन क्षेत्र में डेकोर सेल्स एग्जीक्यूटिव, बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट (बीडीए) और इनसाइड सेल्स प्रतिनिधि तीनों की भूमिका कंपनी की बिक्री बढ़ाने से जुड़ी होती है, लेकिन इनके काम करने का तरीका और जिम्मेदारियां अलग-अलग होती हैं. यदि आप इन पदों पर नौकरी की तैयारी कर रहे हैं या इनमें करियर बनाना चाहते हैं, तो इनकी भूमिका को समझना जरूरी है.डेकोर सेल्स एग्जीक्यूटिव का मुख्य कार्य कंपनी के प्रीमियम डेकोर और इंटीरियर उत्पादों की बिक्री बढ़ाना होता है.

इसमें डिजाइनर वॉलपेपर, प्रीमियम फर्निशिंग और सजावटी उत्पाद शामिल हो सकते हैं. इस पद पर कार्यरत कर्मचारी आर्किटेक्ट, इंटीरियर डिजाइनर, डीलर और प्रीमियम रिटेल साझेदारों से सीधे संपर्क बनाए रखते हैं. इनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में दुकान के कर्मचारियों को उत्पादों का प्रशिक्षण देना, ग्राहकों के लिए प्रचार गतिविधियां आयोजित करना, क्षेत्रवार बिक्री लक्ष्य हासिल करना और डेकोर उत्पादों की बिक्री बढ़ाना शामिल है. इस पद पर फील्ड में लगातार दौरे करने पड़ते हैं. बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट का काम केवल बिक्री करना नहीं, बल्कि कंपनी के लिए नए ग्राहक, नए बाजार और नए व्यावसायिक अवसर तलाशना होता है.

यह पद कंपनी के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. बीडीए संभावित ग्राहकों से मुलाकात करता है, कंपनी की सेवाओं और उत्पादों की जानकारी देता है, नए अनुबंधों पर बातचीत करता है और लंबे समय तक व्यावसायिक संबंध विकसित करता है.